हवलदार अब्दुल हामिद

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

हाल ही में **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)** प्रमुख ने उत्तर प्रदेश के **गाज़ीपुर स्थित धामूपुर गाँव** का दौरा किया, जो वर्ष **1965 के युद्ध के नायक अब्दुल हमीद** का पैतृक गाँव है।

- उन्होंने हामिद पर दो पुस्तकें- **'मेरे पापा परमवीर'** और **'भारत का मुसलमान'** लिखीं।
- **अब्दुल हामिद भारतीय सेना में 4 ग्रेनेडियर्स के एक सैनिक थे** , जिन्होंने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में **असल उत्तर की लड़ाई** के दौरान लड़ाई लड़ी और शहीद हो गए।
    - **असल उत्तर (Asal Uttar)** भारत-पाकिस्तान सीमा के पास **पंजाब** में स्थित है।
    - **असल उत्तर की लड़ाई** वर्ष 1965 के युद्ध के दौरान लड़ी गई सबसे **बड़ी टैंक लड़ाइयों** में से एक थी, जहाँ भारतीय सेना ने **पाकिस्तानी 1 बख्तरबंद डिवीज़न के आक्रमण को ध्वस्त** कर दिया था।
    - इस लड़ाई के परिणामस्वरूप पाकिस्तानी सेना के **97 पैटन टैंक नष्ट** हो गए और एक पूरी पाकिस्तानी बख्तरबंद रेजिमेंट ने आत्मसमर्पण कर दिया।
- **हामिद को चीमा गाँव** के पास तैनात किया गया था। **10 सितंबर 1965** को उन्होंने **3 पाकिस्तानी टैंक** नष्ट कर दिये और चौथे टैंक को निष्क्रिय कर दिया, लेकिन इस प्रक्रिया में वे मारे गए।
- हामिद को उनकी बहादुरी के लिये **मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार परमवीर चक्र** से सम्मानित किया गया।
- उनकी मृत्यु का स्थान अब एक **युद्ध स्मारक का हिस्सा है**, जहाँ एक कब्ज़ा किया हुआ पाकिस्तानी पैटन टैंक श्रद्धांजलि के रूप में खड़ा है।

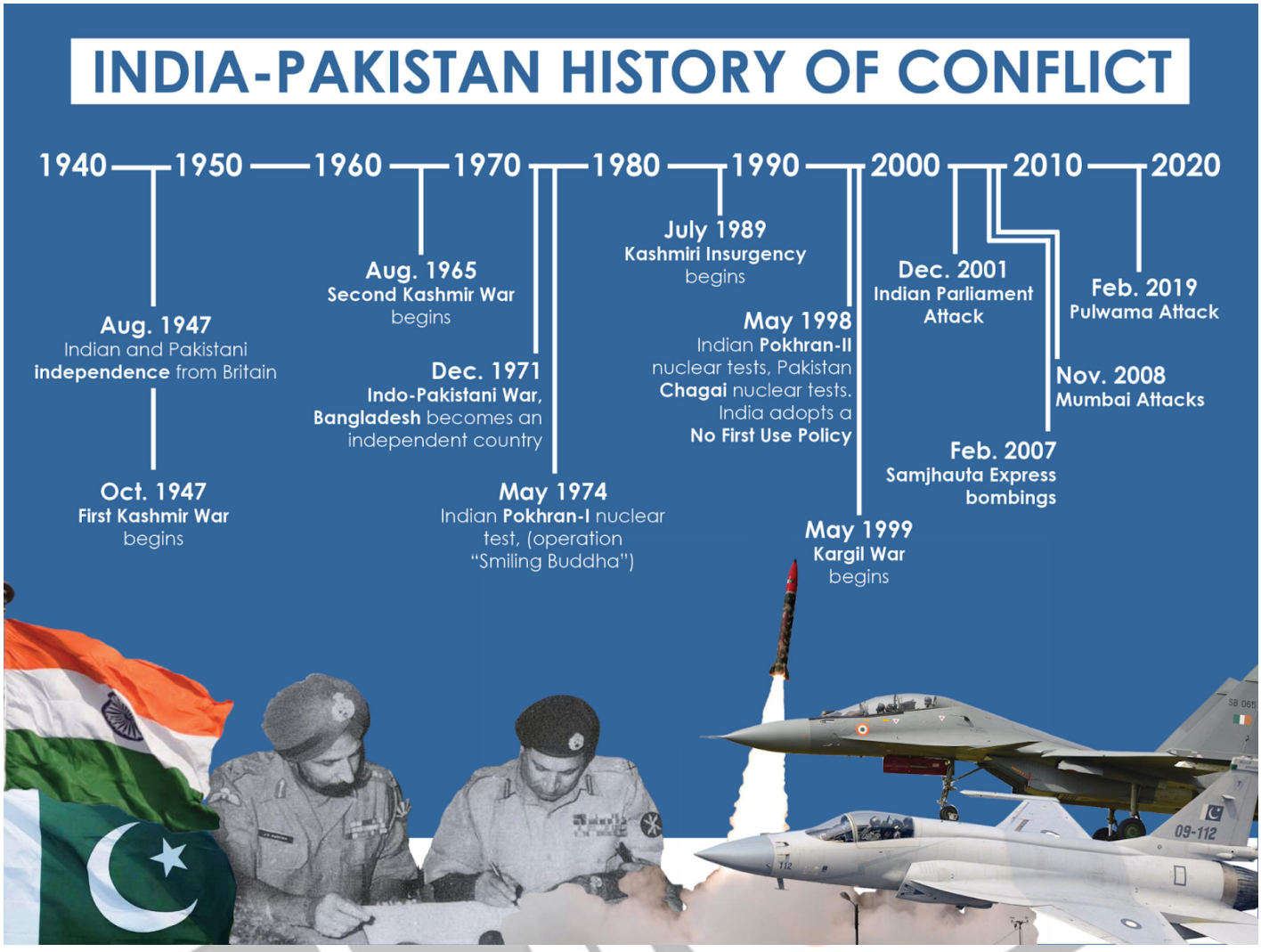

//

और पढ़ें: [कारगिल विजय दिवस]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/havaldar-adbul-hamid